

क्रमांक 2538-ज(II)-81/1446.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री श्योनारायण, पुत्र श्री चंद्र राम, गांव खोड़, तहसील पटीदी, जिला गुडगांव; को रवी, 1975 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रवी 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद दी में गई शतों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

दिनांक 18 जनवरी, 1982

क्रमांक 2527-ज-(I)-81/1952.—श्री सोइवत सिंह, पुत्र श्री दुनी चन्द, गांव मित्तायत, तहसील व जिला शिवाली की दिनांक 8 जून, 1981, को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री सोइवत सिंह को मूल्य 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 57-र-III-71/7584, दिनांक 22 मार्च, 1971 तथा अधिसूचना क्रमांक 1769-ज-I-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979, द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती हरदेवी के नाम रवी, 1972 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शतों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

दिनांक 19 जनवरी, 1982

क्रमांक 2537-ब-(II)-81/2098.—श्री पहलाव सिंह, पुत्र श्री राम सेवक, गांव उजीना, तहसील नूह, जिला गुडगांव की दिनांक 6 मार्च, 1980 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री पहलाव सिंह को मूल्य 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे पंजाब/हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 835-मार-(V)-66/958, दिनांक 4 अप्रैल, 1967 तथा अधिसूचना क्रमांक 5041-मार-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती हरनन्दी के नाम डरोह, 1930 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शतों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

दिनांक 20 जनवरी, 1982

क्रमांक 6-ज(II)-81/2453.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री दलीप सिंह, पुत्र श्री मुगला राम, गांव सुण्डाना, तहसील व जिला रोहतक, को खरीफ, 1965 से रवी 1970 तक 100 रुपये वार्षिक, खरीफ 1970 से खरीफ 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रवी 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शतों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

दिनांक 21 जनवरी, 1982

क्रमांक 36-ज(II)-82/2489.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री लाल चन्द, पुत्र श्री मौजी राम, गांव सुण्डाना, तहसील व जिला रोहतक, 1965 से रवी 1970 तक 100 रुपये वार्षिक, खरीफ 1970 से खरीफ 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रवी 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शतों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

दिनांक 5 फरवरी, 1982

क्रमांक 78-ज(II)-82/4338.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती केसर वेदी, विधवा श्री इन्द्र सिंह, गांव चटाना, तहसील व जिला सोनीपत, को खरीफ, 1976 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रवी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शतों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।